INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: 8	Department: Hindi- 3rd Language	Date of submission:
Worksheet No:6	Topic: अर्थग्रहण	Note: File it in your portfolio

प्र-अनुच्छेद को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए|

लाला को काटो तो बदन में खून नहीं। ऐसी चलती हुई गली में ऊँचे तिमंजले से भरे हुए लोटे का गिरना हँसी-खेल नहीं। यह लोटा न जाने किस अनाधिकारी के झोंपड़े पर काशीवास का संदेश लेकर पहुँचेगा। कुछ हुआ भी ऐसा ही। गली में जोर का हल्ला उठा। लाला झाऊलाल जब तब दौड़कर नीचे उतरे तब तक एक भारी भीड़ उनके आँगन में घुस आई । लाला झाऊलाल ने देखा कि इस भीड़ में प्रधान पात्र एक अंग्रेज है जो नखशिख से भीगा हुआ है और जो अपने एक पैर को हाथ से सहलाता हुआ दूसरे पैर पर नाच रहा है। उसी के पास अपराधी लोटे को भी देखकर लाला झाऊलाल जी ने फ़ौरन दो और दो जोड़कर स्थिति को समझ लिया। गिरने के पूर्व लोटा एक दुकान के सायबान से टकराया। वहाँ टकराकर उस दुकान पर खड़े उस अंग्रेज को उसने सांगोपांग स्नान कराया और फिर उसी के बूट पर आ गिरा। उस अंग्रेज को जब मालूम हुआ कि लाला झाऊलाल ही उस लोटे के मालिक हैं तब उसने केवल एक काम किया। अपने मुँह को खोलकर खुला छोड़ दिया। लाला झाऊलाल को आज ही यह मालूम हुआ कि अंग्रेजी भाषा में गालियों का ऐसा प्रकांड कोष है।

इसी समय पं.बिलवासी मिश्र भीड़ को चीरते हुए आँगन में आते दिखाई पड़े। उन्होंने आते ही पहला काम यह किया कि उस अंग्रेज को छोड़कर और जितने आदमी आँगन में घुस आए थे, सबको बाहर निकाल दिया। फिर आगँन में कुर्सी रखकर उन्होंने साहब से कहा- “आपके पैर में शायद कुछ चोट आ गई है। अब आप आराम से कुर्सी पर बैठ जाइए।“

1-लोटा कहाँ से गिरा था?

उ...
....
....

2-लाला झाऊलाल के आँगन में कौन लोग आ गए थे?

उ...
....
....

3-पानी का लोटा किसके ऊपर गिरा था?और उसे कहाँ चोट आई थी?

उ...
....
....

4-लाला झाऊलाल को आज ही क्या मालूम हुआ?

उ...
....
....

5-बिलवासी मिश्र ने आते ही क्या काम किया?

उ...
....
....

6- गद्यांश के लिए उचित शीर्षक लिखिए|

उ..

--------------000-----------